रणजीत टाइम्स

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर सोमवार 23 फरवरी 2026 | Digital Edition | प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सूने मकान से ले गए जेवर और अन्य सामान

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र की पाश कालोनी ओमेक्स सिटी वन में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया और जेवर सहित अन्य सामान चुरा ले गए। पुलिस के मुताबिक चोरी की वारदात फरियादी निशा बगोरिया के मकान में हुई। महिला ने पुलिस को बताया कि मैं काम से घर से बाहर गई थी उसी दौरान अज्ञात बदमाश ने मु य दरवाजे का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और अलमारी का लाक तोड़कर जेवर,मोबाइल,टैब और नकद रूपए चुरा ले गए। पुलिस कालोनी के प्राइवेट गेट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

रेलवे परिसर में बुजुर्ग की लाश मिली

इंदौर। रेलवे स्टेशन परिसर में जीआरपी पुलिस ने एक अज्ञात बुजुर्ग की लाश बरामद की। पुलिस ने बताया कि रात के वक्त उक्त व्यक्ति हनुमान मंदिर के पास सोया था जो फिर नहीं उठा। उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पलिस ने मर्ग कायम किया है। ज्ञात रहे कि एक माह पहले भी दो अज्ञात व्यक्ति यों की लाश मिली थी उनकी भी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और पुलिस ने लावारिस लाश समझकर उनका अंतिम संस्कार करवा दिया था।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

इंदौर। एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। आशंका है कि वह घरेलू विवाद से परेशान था। पप्पू पिता उमराव सिंह निवासी गांधी नगर के शव का एमवाय अस्पताल में पीएम कराया गया। पप्पू के बारे में बताया जा रहा है कि वह शादीशुदा था। उस के दो बो हैं। बीते कुछ दिनों से प ी मायके चली गई थी। शनिवार को उसने उसे फोन भी लगाया था। पप्पू के पिता का कहना है कि प ी से उसका विवाद चल रहा था संभवत: इसी चक्कर में उसने यह कदम उठा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौके से किसी प्रकार का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

कुल्हाड़ी से हमला

इंदौर। सिमरोल इलाके में गाली गलौज से मना करने पर आरोपियों ने अपने भाई पर कुल्हाड़ी से हमलाकर घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक घायल का नाम विजय पिता रामकरण कोहली निवासी ग्राम धावड़िया है। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी बलराम पिता रामकरण और आकाश पिता रामकरण के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि अंकल देवकरण को गाली क्यों दी। ये कहकर बलराम व आकाश ने मारपीट की और कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। इधर एक अन्य घटना में आपसी विवाद में मारपीट हो गई। पुलिस ने फरियादी राहुल पिता कल्लू बागडी निवासी ग्राम मेंडल की रिपोर्ट पर आरोपी भावसिंह पिता बंशीलाल और नदान पिता बिसन के खिलाफ केस दर्ज किया है।

ई-केवायीस के बहाने आनलाइन धोखाधड़ी

इंदौर। अज्ञात आरोपी ने द्वारकापुरी क्षेत्र में बैंक कर्मचारी बनकर ई केवायसी के बहाने फरियादी के साथ आनलाइन धोखाधड़ी कर दी। उसके खाते से हजारों रूपए उड़ा लिए। पुलिस सायबर डेस्क की मदद से जांच कर रही है। थाना द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक आनलाइन धोखाधड़ी की वारदात फरियादी विकास पिता कैलाश शुक्ला निवासी सेक्टर बी स्कीम नंबर 71 के साथ हुई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मेरे वाट्सएप पर दो नंबर से काल आया और मैसेज भी। काल करने वाले ने खुद को बैंक आफ इंडिया का कर्मचारी बताया और ई केवायसी का झांसा देकर जानकरियां ली। उसके बाद खाते से रूपए उड़ाकर धोखाधड़ी को अंजाम दिया। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद आइटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है।

तेज आवाज में यूजिक बजाने पर दो डीजे वाहन जब्त

इंदौर। खजराना और पलासिया क्षेत्र में पुलिस ने दो स्थानों पर तेज आवाज में यूजिक सिस्टम बजाने को लेकर कार्रवाई की और दो डीजे वाहन जब्त कर लिए। संचालकों पर केस दर्ज किया गया। थाना खजराना पुलिस के मुताबिक कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की कार्रवाई वेलोसिटी टाकीज के पास की गई। आरोपी करण पिता नंदकिशोर गौड़ निवासी नट कालोनी पर केस दर्ज किया गया। आरोपी के डीजे वाहन को जब्त कर थाने लाया गया। डेसीबल एक्स एप में चेक करने पर उक्त वाहन में लगे डीजे साउंड की आवाज 11।.8 डेसीबल तक आ रही थी। दूसरी कार्रवाई में पलासिया पुलिस ने आरोपी मिथिलेश राय निवासी न्यू मालवीय नगरर के खिलाफ केस दज4 किया और डीजे वाहन को जब्त कर लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिखाई 'नमो भारत' को हरी झंडी, 55 मिनट में मेरठ से पहुंचें दिल्ली

मेरठ। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मेरठ के शताब्दी नगर स्टेशन पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में 'नमो भारत' रीजनल रैपिड ट्रेन और बहुप्रतीक्षित मेरठ मेट्रो का उद्घाटन किया। हरी झंडी दिखाकर दोनों ट्रेनों को रवाना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। नमो भारत ट्रेन के संचालन के साथ मेरठ से दिल्ली तक का 88 किलोमीटर का सफर अब महज 55 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। यह ट्रेन 13 स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जिनमें दो स्टेशन अंडरग्राउंड हैं। इस परियोजना के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जहां एक ही ट्रैक पर हाई-स्पीड रीजनल रेल और स्थानीय मेट्रो का सफल संचालन संभव हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन के बाद मेट्रो में सफर भी किया और पहले से मौजूद छात्रों से बातचीत की। नमो भारत ट्रेन मेरठ से दिल्ली और गाजियाबाद तक लंबी दूरी के यात्रियों को तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जबकि मेरठ मेट्रो शहर के भीतर आवागमन का सुलभ साधन बनेगी। दोनों सेवाओं के लिए साझा ट्रैक और स्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग किया गया है, जिसे वैश्विक स्तर पर एक अभिनव मॉडल माना जा रहा है।

पश्चिमी यूपी के लिए विकास की रफ्तार

नमो भारत और मेरठ मेट्रो की एक साथ शुरुआत से क्षेत्र में विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद है। अब मेरठ से दिल्ली पढ़ाई या नौकरी के लिए जाने वाले लोगों को तेज और विश्वसनीय परिवहन सुविधा मिलेगी। वहीं, दिल्ली-एनसीआर से मेरठ आने-जाने वालों के लिए भी समय की बड़ी बचत होगी। शहर के भीतर मेट्रो सेवा शुरू होने से ट्रैफिक जाम और प्रदूषण में कमी आने की संभावना है।

ट्रायल रन में 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार

यहां बताते चलें शुक्रवार को आयोजित विशेष ट्रायल रन में नमो भारत ट्रेन ने मेरठ साउथ से सराय काले खां तक का सफर 40 मिनट में पूरा किया था। परीक्षण के दौरान ट्रेन प्रत्येक स्टेशन पर एक-एक मिनट रुकी। इसके बाद सराय काले खां से बेगमपुल तक नॉन-स्टॉप दौड़ते हुए ट्रेन 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से महज 39 मिनट में पहुंच गई। सराय काले खां से गाजियाबाद तक का सफर लगभग 15 मिनट में पूरा हुआ।

गाजा में रमजान के अवसर पर समूह में एकत्र होकर इफ्तार करते हुए रोजेदार।

विवाद में चाकूबाजी,तीन घायल

इंदौर। देवगुराडिया क्षेत्र में शराब दुकान के पास नशे में हुए विवाद के बाद मारपीट और चाकूबाजी हो गई। हमले के बाद आरोपी भाग गए। पुलिस ने दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाना खुडैल पुलिस के मुताबिक विवाद चाकूबाजी की वारदात देवगुराडिया स्थित शराब दुकान के पास मैदान में हुई। घायलों के नाम आदित्य और उनके साथी रोहित, विश्वजीत बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक घायलों की शिकायत पर दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। घटना म के बारे में पुलिस ने बताया कि घटना की रात देवगुराडिया स्थित शराब दुकान के पास मैदान में फरियादी आदित्य और उसके दो साथी रोहित,विश्वजीत बीयर पी रहे थे। इसी दौरान पास ही में दो अज्ञात व्यक्ति भी बैठे शराब पी रहे थे। फरियादी आदित्य ने उनसे पूछ लिया कि तुम कहां से हो? इसी बात को लेकर आरोपियों ने विवाद किया और गालियां दी जब उन्हें गालियां देने से मना किाय तो आरोपियों ने आदित्य और उसके दोनों साथियों को पीटा और चाकू से वार कर दिए। हमले के बाद आरोपी बोले कि आज के बाद हमारे बारे में पूछ तो जान से मार देंगे। धमकी के बाद आरोपी मौके से भाग गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि हमले के बाद फरार आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

गांधी भवन हिंसा में घायल भाजपा नेत्री से मिले मुख्यमंत्री डॉ. यादव, जाना हाल

इंदौर ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर प्रवास के दौरान सीधे सीएचएल हॉस्पिटल पहुँचे। यहाँ उन्होंने गांधी भवन के बाहर हुए हिंसक संघर्ष के दौरान गंभीर रूप से घायल हुई भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सुश्री बिंदु चौहान से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उनके बेड के पास जाकर स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए संबल प्रदान किया।उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों इंदौर के गांधी भवन के बाहर दो गुटों के बीच हुए हिंसक संघर्ष में सुश्री बिंदु चौहान गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। इस घटना के बाद से ही शहर में राजनीतिक हलचल तेज है। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में उपस्थित चिकित्सकों की टीम से उपचार की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की और निर्देश दिए कि सुश्री चौहान को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुश्री चौहान के परिजनों से भी आत्मीय भेंट की और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। परिजनों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपचार के दौरान किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

अस्पताल परिसर में मीडिया से संक्षिप्त चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने घटना की निंदा करते हुए संकेत दिए कि शहर की शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाले और हिंसा में लिप्त दोषियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों और कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि और भाजपा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मुख्यमंत्री के साथ उपस्थित रहे।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का आयोजन

झाबुआ.सलीम हुसैन

21 फरवरी कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि उद्यानिकी तकनीक विस्तारण एवं तिलहन मिशन के तहत दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला 21 एवं 22 फरवरी को कृषि विज्ञान केंद्र, झाबुआ के प्रक्षेत्र परिसर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य एवं कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

अतिथियों का अन्न-पट्टिका भेंट कर एवं बैज लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। अन्न-पट्टिका मानव जीवन में अन्न के महत्व एवं संपूर्ण जीवनचक्र के प्रतीक के रूप में भेंट की गई। मेले का उद्देश्य कृषकों को उन्नत कृषि तकनीकों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मूल्य संवर्धन, विपणन, सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर), नरवाई प्रबंधन, तिलहनी-दलहनी फसलों के विस्तार तथा आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी प्रदान करना रहा।

मंत्री निर्मला भूरिया ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में विशेष रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस वर्ष का कृषि मेला किसानों को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों की उन्नति और कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने हेतु निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसानों को पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता, इसलिए शासन द्वारा विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने मिश्रित खेती की पारंपरिक पद्धति को भूमि की उर्वरता के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि वर्तमान में एकल फसल प्रणाली एवं रासायनिक उर्वरकों-कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की गुणवत्ता एवं मानव स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कृषि सखियों एवं महिलाओं से आह्वान किया कि वे मेले में प्राप्त तकनीकों एवं ज्ञान को व्यवहार में लाएं तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाकर स्वस्थ समाज एवं समृद्ध किसान के लक्ष्य को साकार करें।

कलेक्टर की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

झाबुआ.सलीम हुसैन

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ईवीएमङ्कवीवीपैट मशीनों के वेयरहाउस का मासिक एवं त्रैमासिक निरीक्षण श्वस्र्-2.0 मोबाइल एप के माध्यम से किए जाने संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके परिपालन में माह फरवरी 2026 का मासिक वेयरहाउस निरीक्षण (वेयरहाउस का ताला खोले बिना) 21 फरवरी 2026 को प्रातः 11ञ्30 बजे संपन्न किया गया। निरीक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधि

भी उपस्थित रहे। निरीक्षण की समस्त कार्यवाही भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप श्वस्र्-2.0 एप पर दर्ज की गई। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था एवं अभिलेखों का परीक्षण किया गया तथा आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की गई। प्रशासन द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु सभी निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इस दौरान अपर कलेक्टर सी एस सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपालसिंह महोबिया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार मण्डलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ भास्कर गाचले, जिला कोषालय अधिकारी वैशाली सिसोदिया, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत अर्थदंड की कार्यवाही

झाबुआ.मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2010 की समीक्षा 09 फरवरी 2026 की समयावधि बैठक में की गई, जिसमें अधिसूचित सेवाओं के कई आवेदन समय-सीमा से बाह्य लंबित पाए गए। प्रकरणों को अधिनियम की धारा 6(3) के परंतुक क अंतर्गत स्वप्रेरणा से द्वितीय अपील में पंजीबद्ध कर परीक्षण किया गया। निर्धारित समय-सीमा पर्याप्त होने के बावजूद निराकरण में विलंब पाए जाने से संबंधित पदाभिहित अधिकारियों की लापरवाही प्रमाणित हुई। उक्त के फलस्वरूप कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना, द्वितीय अपील अधिकारी द्वारा धारा 7(1) के अंतर्गत तहसीलदार झाबुआ पर 500/-, प्रभारी तहसीलदार थांदला पर 1,000/-, प्रभारी तहसीलदार मेघनगर पर 250/-, नायब तहसीलदार झकनावदा पर 250/-, नायब तहसीलदार झाबुआ पर ?500/- तथा नायब तहसीलदार सारंगी पर 3,000/- का एकमुश्त अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। साथ ही भविष्य में अधिसूचित सेवाओं का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

गुजरात ले जाई जा रही शराब पर आबकारी इंदौर की कार्यवाही

इंदौर.आदित्य शर्मा

कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर महोदय श्री देवेश चतुर्वेदी,डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमति प्रीति चौबे के नेतृत्व में दिनांक-20/02/2026 को वृत्त- मालवा मिल ब में वृत उप निरीक्षक सुनील कुमार मालवीय को मुखबिर से सूचना मिली की एक व्यक्ति सूटकेस में शराब भरकर लसुडिया मोरी रोड पर खड़ा है और वह गुजरात की बस का इंतजार कर रहा है, सूचना मिलते ही आबकारी व्रत मालवा मिल बी की टीम मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति मौके पर खड़ा पाया जिसके पास एक सूटकेस था।मौके पर व्यक्ति और उसके सामान की विधिवत तलाशी लेने पर सुटकेस के अंदर कुल बीस बोतल विदेशी मदिरा की भरी होना पाई, जिसकी कुल कीमत 32000/- होना पाई बाद समस्त मदिरा को विधिवत जब्त कर आरोपी जय कुटक नि मोरबी गुजरात के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया एवं प्रकरण विवेचना में लिया। आज की कार्यवाही में आरक्षक श्री विपुल खरे, श्री विक्रम यादव ,श्री विजय सोलंकी का सराहनीय योगदान रहा।

लोक निर्माण से लोक कल्याण के तहत 93.50 करोड़ की लागत से 34.4 किलोमीटर सड़क उन्नयन कार्य का हुआ भूमिपूजन

शहडोल .प्रदीप सिंह बघेल

जिले में सड़क अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शहडोलङ्कमईकाङ्कलफदाङ्कचुहिरी सड़क के उन्नयन कार्य का शुभारंभ किया गया। लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे इस बहुप्रतीक्षित निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह एवं विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी द्वारा किया गया।

इस सड़क उन्नयन परियोजना की कुल लंबाई 34.4 किलोमीटर है, जिस पर ?93.50 करोड़ की लागत आएगी। यह कार्य वित्तीय वर्ष 2025ङ्क26 के अंतर्गत किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में यातायात सुविधाएं बेहतर होंगी तथा आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा। विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सड़क उन्नयन से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी।उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना के साथ कार्य कर रही है। हर गांव को अच्छी सड़कों, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। आने वाले समय में जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र

में और भी विकास कार्य स्वीकृत किए जाएंगे, ताकि आमजन के जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो सके।विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी ने कहा कि इस सड़क के उन्नयन से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी, जिससे व्यापार-व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा।

शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भी नगरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, आवागमन, कृषि एवं सिंचाई जैसे क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे आमजन के लिए आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष श्री शक्ति सिंह, श्री प्रियम त्रिपाठी, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनपद सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर किया शोषण

शहडोल। प्रस्तुत लिखितआवेदन के आधार पर आरोपी राजकुमार सोनी पिता बलराम सोनी, निवासी ग्राम लेदरा थाना गोहपारू जिला शहडोल को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया। पीड़िता के आवेदन पत्र के अनुसार आरोपी द्वारा वर्ष 2023 से शादी का झांसा देकर लगातार शारीरिक संबंध स्थापित किया गया। फरियादिया द्वारा शादी के लिए दबाव बनाने पर आरोपी द्वारा टालमटोल किया जाता रहा। दिनांक 15.02.2026 को शिवरात्रि के अवसर पर भी आरोपी द्वारा विवाह से इंकार करने के बावजूद फरियादिया के किराये के कमरे शहडोल में जाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाया गया। दिनांक 16.02.2026 को पुनः विवाह की बात कहने पर आरोपी द्वारा पीड़िता के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई जिसके कारण पीड़िता को अपनी सुरक्षा के तहत अपराधी के खिलाफ महिला थाने में शिकायत दर्ज करायी.प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध प्रथम दृष्टया अपराध धारा 69, 351(3) बीएनएस एवं 3(1)(2-द्वद्व), 3(2)(1) एससी/एसटी एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान गोहपारू पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी राजकुमार सोनी (उम्र 44 वर्ष) को दिनांक 20.02.2026 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यवाही उप पुलिस अधीक्षक शिवाली चतुर्वेदी महिला सुरक्षा शहडोल के नेतृत्व में , सउनि थाना प्रभारी इंचार्ज भागचंद, आरक्षक अमृत लाल यादव, आरक्षक अमर सिंह, आरक्षक गुरु दयाल उइके की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी करवाई महिला ड्रग तस्कर गिरफ्तार बड़े गिरोह का हुआ पर्दाफाश

शहडोल .प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेल रहे अवैध कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। कोतवाली पुलिस ने एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। दुर्गा कॉलोनी स्थित टेक्निकल ग्राउंड के पास रहने वाली कथित लेडी नशा तस्कर शबनम बी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 730 नग ऑनरेक्स कफ सिरप जब्त किया। जिसकी अनुमानित कीमत करीब डेढ़ लाख बताई जा रही है। इस कार्रवाई को जिले में नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी शबनम बी पूर्व में भी नशे के अवैध कारोबार के मामलों में संलिप्त पाई जा चुकी है। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि वह बाहरी राज्यों से नशीली सामग्री लाकर जिला मुख्यालय में युवाओं के बीच इसकी सप्लाई कर रही है, जिससे युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने सुनियोजित तरीके से दबिश देकर आरोपी को धर दबोचा . इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक संगठित नशा तस्करी गिरोह का भी खुलासा किया है। इस गिरोह में बंटी, उसका बेटा, दामाद और अंतरराज्यीय नशा तस्कर रमेश जायसवाल समेत अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं, जिनके खिलाफ भी मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य पांच संदिग्धों की पहचान कर ली गई है, जिनके चेहरे जल्द ही बेनकाब किए जाएंगे। कोतवाली पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से जिले में नशा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। वहीं आमजन ने पुलिस की इस मुहिम की सराहना की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।कोतवाली थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी का कहना है कि अधिकारियों के निर्देशन पर नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। 730 ऑनरेक्स सिरफ समेत एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। वहीं 5 अन्य के खिलाफ कार्रवाई की गई है। गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही सभी संदिग्धों को गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

भारतीय भाषा पर्व का भव्य आयोजन अपनी जड़ों और मातृभाषा की ओर लौटने का आह्वान

इंदौर.आदित्य शर्मा

इंदौर डॉक्टर हेडगेवार स्मारक समिति एवं भारतीय भाषा संवर्धन समिति के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा पर्व का गरिमामय आयोजन नूतन स्कूल (चिमन बाग) के फुटबॉल ग्राउंड में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न भाषाई समाजों ने अपनी संस्कृति, साहित्य और पारंपरिक व्यंजनों के माध्यम से भारत की विविधता में एकता का जीवंत प्रदर्शन किया।

संस्कृति और भाषा का गहरा नाता

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री पी. नरहरि (प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, म.प्र.) उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ÷भारत की संस्कृति एक है, भले ही यहाँ हर चार कोस पर बोलियाँ बदल जाती हैं। बच्चों के मानसिक विकास के लिए मातृभाषा अनिवार्य है। जिस तरह श्री कृष्ण देव राय ने विजयनगर साम्राज्य में भाषाओं के साथ राज्य का विस्तार किया, हमें भी अपनी भाषाओं और संस्कृत को विश्व पटल पर गौरव दिलाना होगा।

सेना और संस्कृति की सुरक्षा

विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त मेजर जनरल सरबजीत सिंह ने कहा कि मातृभाषा सीखने के लिए किसी विद्यालय की आवश्यकता नहीं होती, यह परिवार से मिलती है। उन्होंने साझा किया कि सेना के जवान न केवल सीमाओं की रक्षा करते हैं, बल्कि वे देश की संस्कृति और विचारों के भी संरक्षक हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करने का आग्रह किया।

भाषा केवल संवाद नहीं, संवेदना है

मुख्य वक्ता श्री प्रवीण गुप्त (क्षेत्र संपर्क प्रमुख) ने भाषा के गिरते स्तर और पाश्चात्य प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ÷मुगलों और अंग्रेजों ने हम पर विदेशी भाषाएं थोपीं, जिससे हम धीरे-धीरे अपनी वेशभूषा और संस्कार भूलने लगे। मदर शब्द में वह संवेदना नहीं जो माँ कहने में है। उन्होंने दैनिक जीवन में मातृभाषा के उपयोग, जैसे हस्ताक्षर अपनी भाषा में करने पर जोर दिया।

विविधता का अनूठा संगम

कार्यक्रम संयोजक श्री रविंद्र देशपांडे के अनुसार, इस पर्व में संस्कृत, निमाड़ी, मालवी, भीली, मैथिली, भोजपुरी, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मराठी, पंजाबी, मारवाड़ी, सिंधी,

महिलाओं की सुरक्षा, अपराध निवारण एवं उनके संरक्षण के प्रति जनजागरूकता हेतु, किया गया एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

इंदौर .आदित्य शर्मा

महिला अपराधों व उनकी सुरक्षा तथा उनके बेहतर संरक्षण के उद्देश्य से शासन द्वारा विभिन्न कानूनी प्रावधान एवं संचालित योजनाओं के प्रति जनजागरूकता लाने के उद्देश्य से, पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में इन्दौर पुलिस द्वारा महिला अपराधों की रोकथाम एवं संरक्षण तथा इससे संबंधित जागरूकता लाने हेतु समय-समय पर कार्यशाला व अन्य विभिन्न कार्यक्रम आदि का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में आज दिनांक 20.02.26 को शहर में कमजोर वर्ग के क्षेत्रों में सामाजिक रूप से सक्रिंय महिलाओं के लिये एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन पुलिस कमिश्नर कार्यालय में किया गया। उक्त कार्यशाला मे अति. पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) नगरीय इंदौर श्री आर.के. सिंह की विशेष उपस्थिति में, अति. पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा शाखा) सुश्री संध्या राय, महिला बाल विकास विभाग के श्री महेन्द्र पाठक, सीडीपीओं महिला बाल विकास विभाग श्रीमती मधुमति, सावित्री बाई फुले संस्थान की श्रीमती सौम्या सिंह बघेल, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी व आरंभ एनजीओं की श्रीमती भक्ति चंदेल सहित शहर में महिलाओं के प्रति सामाजिक रूप से सक्रिंय शोर्य दल, सेवा दल तथा शहर के बाणगंगा, खजराना, विजय नगर, भागीरथपुरा, आजाद नगर आदि विभिन्न क्षेत्रों में कमजोर वर्गो में सामाजिक रूप से सक्रिय महिलाएं सम्मिलित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ अति पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा) श्रीमती संध्या राय द्वारा करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा से अवगत कराते हुए, क्रार्यक्रम मे पधारे अतिथिगणों का स्वागत भाषण से अभिवादन किया गया। इस अवसर पर अति. पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह द्वारा महिलाओं की सुरक्षा व उनके विरूद्ध होने वालें अपराधों की रोकथाम हेतु कानून में क्या-क्या प्रावधान है तथा इनके प्रति जागरूक रह, कैसे हम महिलाओं के लिये और बेहतर सामाजिक माहौल बना सकतें है, इस बारें में जानकारी दी गयी। उन्होनें कहा कि, महिला संबंधी अपराध को रोकने के लिए पुलिस व प्रशासन के साथ-साथ समाज की भागीदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिये हमें अपराधों पर कानूनी प्रावधानों के तहत कार्यवाही के साथ-साथ इसके संबंध में समाज में जन-जागरूकता लाने के भी प्रयास निरंतर रूप से करना चाहिये। कार्यशाला में आएं अतिथि विशेषज्ञों ने महिला संबंधी अपराधों पर चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण जानकारिया दी गई- महिला बाल विकास विभाग के श्री महन्द्र पाठक द्वारा बाल विवाह की रोकथाम व उसके लिये प्रशासन की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। सावित्रिबाई फुले संस्थान (निपसीड) व लीगल डिफेंस काउंसल श्रीमती सौम्या सिंह बघेल द्वारा सभी महिलाओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) में पीड़ित महिलाओं के लियें किस प्रकार की विधिक सहायता मिलती है तथा इसके अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के संबंध में भी जानकारी दी गयी। सीडब्ल्यूसी व एनजीओं आरंभ की श्रीमती मधुमति द्वारा सभी को महिला अपराधों में सपोर्ट पर्सन, पॉक्सों एक्ट, जे.जे. एक्त व विभिन्न प्रावधानों के तहत महिलाओं की सहायता में एनजीओं की क्या भूमिका है इस संदर्भ में बताया। साथ ही सभी अतिथियों ने महिलाओं व बच्चों के संरक्षण हेतु शासन की विभिन्न योजनाओं आदि की जानकारी और उनके शिक्षा व स्वास्थ्य को लेकर दिए प्रावधानों पर भी विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

ट्रैफ़िक पुलिस की पेट्रोलिंग टीमों ने किया सतत भ्रमण... नो-पार्किंग का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही

इंदौर.आदित्य शर्मा

इंदौर शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दशा निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस की चारों जोन के लिए गठित विशेष पेट्रोलिंग टीमों द्वारा लगातार सुगम यातायात के लिए जागरूकता के साथ कार्यवाही की जा रही। इन टीमों का मुख्य उद्देश्य शहर के व्यस्ततम मार्गो, प्रमुख बाजार क्षेत्रों एवं यातायात दबाव वाले स्थानों पर अव्यवस्थित एवं अवैध पार्किंग पर नियंत्रण कर यातायात को सुगम बनाना है। इसी क्रम में आज दिनाँक 21 फरवरी को सभी पेट्रोलिंग टीमों द्वारा अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर यातायात दबाव एवं अव्यवस्थित पार्किंग की स्थिति का निरीक्षण किया गया तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई।

यातायात जोन-1 ¬बड़ा गणपति से सुभाष मार्ग, जिंसी चौराहा, बड़वाली चौकी, इमली बाजार, जूना रिसाला, वायरलेस चौराहा तक कार्रवाई

यातायात जोन-2 ¬ बंगाली चौराहा से छोटा राजवाड़ा होते हुए कनाडिया रोड पुणे बंगाली से पत्रकार चौराहा तक सड़क के दोनों ओर।

यातायात जोन-3 ¬ गीताभवन से घण्टाघर, एमजी रोड पर पलासिया से घण्टाघर, आरएनटी मार्ग, हाइकोर्ट, 56 दुकान सड़क के दोनों तरफ , पलासिया से गीताभवन, व्हाइट चर्च।

यातायात जोन-4 ¬भवरकुआ से टॉवर चौराहा, राजवाड़ा क्षेत्र, सराफा, मालगंज, जवाहरमार्ग, कपड़ा बाजार, खजूरी बाजार, सराफा क्षेत्र।

पेट्रोलिंग टीमों द्वारा मुख्य मार्गों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतत भ्रमण करते हुए पीए सिस्टम, बॉडी वॉर्न कैमरा, क्रेन/सपोर्ट वाहन, व्हील लॉक एवं पीओएस मशीन की सहायता से अवैध पार्किंग, फुटपाथ पर वाहन खड़े करने तथा सड़क पर वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

यातायात पुलिस द्वारा पहले वाहन चालकों को समझाइश एवं चेतावनी दी गई, इसके पश्चात नियमों का उल्लंघन जारी रहने पर व्हील लॉक एवं क्रेन के माध्यम से चालानी कार्यवाही की गई।

इसके अतिरिक्त, पीए सिस्टम के माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने तथा निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने की अपील की गई। यातायात पुलिस द्वारा की जा रही निरंतर कार्यवाही के परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम हुई है तथा आम नागरिकों को राहत मिली है। इंदौर यातायात पुलिस द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने हेतु यह अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा आगामी दिनों में भी विभिन्न क्षेत्रों में विशेष पेट्रोलिंग एवं सख्त कार्यवाही लगातार की जाएगी।

बैंक कर्ज न चुकाने पर किसान को न्यायालय ने सुनाई 6 महा की सजा एवं दिए 887620 रुपए जमा करने के आदेश

अशोकनगर .गोलू यादव

अशोकनगर जे एम एफ सी न्यायालय न्यायाधीश हर्षिता गौड़ (शर्मा) ने दिनांक 13 फरवरी को धारा 138 के प्रकरण में फैसला सुनाते हुए आरोपी राजू रघुवंशी पुत्र तखत सिंह रघुवंशी निवासी ग्राम मोहरी ज्ञान तहसील शाढोरा को प्रकरण क्रमांक एससी-एन आई 87/24 मे दिनांक 13 फरवरी 2026 को आदेश सुनाते हुए आरोपी को 6 माह की कारावास एवं 887620 रुपए अदा करने के आदेश जारी किए हैं दरअसल मामला यह है कि राजू रघुवंशी पुत्र तखत सिंह रघुवंशी ने एच डी एफ सी बैंक से के सी सी लोन लिया था जिसके भुगतान हेतु वर्ष 2023 में एचडीएफसी बैंक शाखा अशोकनगर विदिशा रोड को 6 लाख 91 000 रुपए का चेक कोटक महिंद्रा बैंक का भर कर दिया था जो कि उक्त चेक को जब बैंक में लगाया गया तो चेक बाउंस हो गया इसके बाद परिवादी एचडीएफसी बैंक प्रदीप उपाध्याय द्वारा न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया जिसमें न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषी मानते हुए 6 महा की सजा एवं 887620 रुपए प्रतिकर के रूप बैंक में जमा करने के निर्देश पारित किए गए हैं उक्त मामले में एच डी एफ सी बैंक की ओर से पैरवी एडवोकेट राहुल मिश्रा द्वारा की गई.

ईंट, गुड़, मेथीदाना और बैलफल के प्राचीन मिश्रण से हो रहा प्लास्टर, मूल स्वरूप को सहेजने के लिए सुमित्रा महाजन ने दिए निर्देश

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर पुराने आरटीओ भवन में निर्माणाधीन देवी अहिल्या स्मारक के विकास कार्यों को लेकर शनिवार को ट्रस्ट बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और ट्रस्ट की अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक से पूर्व बोर्ड सदस्यों ने कार्यस्थल का दौरा कर बारीकी से अवलोकन किया। ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल डागा ने बोर्ड सदस्यों को निर्माण की तकनीकी विशिष्टताओं की जानकारी देते हुए बताया कि स्मारक को मूल स्वरूप में बनाए रखने के लिए विशेष जतन किए जा रहे हैं।

करोड़ों की लागत से बन रहे इस स्मारक में पुराने भवन पर प्लास्टर के लिए ईंट, रेत, गुड़, बैलफल, मेथीदाना और सरस जैसे पारंपरिक मिश्रण का उपयोग किया जा रहा है। यह प्राचीन पद्धति न केवल भवन के ऐतिहासिक स्वरूप को बचाए रखेगी, बल्कि उसे अत्यधिक मजबूती भी प्रदान करेगी। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी,

समाजसेवी विनोद अग्रवाल, विकास आयुक्त डी.एस. रणदा, मिलिंद महाजन, पुरुषोत्तम पसारी सहित ट्रस्ट के अन्य सदस्य उपस्थित थे। निर्माण कार्य में विशेषज्ञता साझा करने के लिए आर्किटेक्ट हिमांशु डूडवडकर, श्रेया भार्गव और प्रवीण श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने निर्देश दिए कि निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और इसे लोकमाता अहिल्याबाई के व्यक्तित्व के अनुरूप भव्य व प्रेरणादायी बनाया जाए।

स्वास्थ्य बेड़े में शामिल हुई एक और संजीवनी, गोकुल नगर में लोकार्पण

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने शहर के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती देते हुए शनिवार को 72वें संजीवनी क्लीनिक का शुभारंभ किया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-5 के वार्ड 47 (गोकुल नगर) में नवनिर्मित इस क्लीनिक का लोकार्पण महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक महेंद्र हार्डिया द्वारा किया गया। इस केंद्र के शुरू होने से क्षेत्रीय रहवासियों को अब प्राथमिक उपचार और जांच के लिए बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

लोकार्पण के अवसर पर महापौर भार्गव ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य हर वार्ड में सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएँ पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि शहर में अब 70 से अधिक संजीवनी क्लीनिक सक्रिय हैं, जहाँ नागरिकों को निःशुल्क परामर्श, दवाइयाँ और पैथोलॉजी जांच की सुविधा मिल रही है। महापौर ने इंदौर की स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सहयोग के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक हार्डिया ने इस सुविधा को क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि गोकुल नगर और आसपास के जरूरतमंद नागरिकों को अब घर के समीप ही विशेषज्ञ सेवाएं मिल सकेंगी। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया, महापौर प्रतिनिधि विवेक सिन्हा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद थे, जिन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं के इस विस्तार पर हर्ष जताया।

50 लाख का क्षतिपूर्ति दावा साक्ष्य के अभाव में निरस्त, दुर्घटना के नो दिन बाद कराई थी एफआईआर

इन्दौर। एडीजे अभिषेक गोयल सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण की कोर्ट ने 50 लाख रुपए का क्षतिपूर्ति दावा नो दिन के विलम्ब से प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज होने पर सड़क दुर्घटना प्रमाणित नहीं होने के चलते निरस्त कर दिया।

कोर्ट ने प्रकरण में सुनवाई दौरान स्वयं को चश्मदीद साक्षी बताने वाले को अनुश्रुत साक्षी मानकर भी दुर्घटना प्रमाणित होना नहीं माना। प्रकरण कहानी संक्षेप में इस प्रकार हैं कि 26 फरवरी 2021 को सड़क दुर्घटना में सुरेश उर्फ सुरेशलाल की मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी व परिजन ने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में बीमित वाहन से सड़क दुर्घटना होना बताते हुए क्षतिपूर्ति पाने के लिए वाहन मालिक, चालक व आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के विरुद्ध 50 लाख रुपए का दावा प्रस्तुत किया था। प्रकरण में बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस की ओर से पैरवी एडवोकेट मुजीब खान व एडवोकेट गणेश गौड़ ने की। घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट 9 दिन देर से दर्ज कराई गई थी। मृतक सुरेश की मौत जिस दुर्घटना में हुई, उसे प्रमाणित करने हेतु साक्षी पप्पू, न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुआ जिसका प्रति परीक्षण बीमा कंपनी की ओर से अधिवक्ता मुजीब खान ने किया। न्यायालय ने साक्षी पप्पू के प्रति परीक्षण के आधार पर माना कि उक्त साक्षी घटना घटित होने के बाद घटना स्थल पर पहुंचा था तथा उक्त साक्षी को घटना के संबंध में जानकारी प्रथम सूचना रिपोर्टकर्ता द्वारा दी गई थी। उक्त साथी घटना का चश्मदीद साक्षी नहीं होकर अनुश्रुत साक्षी है। इसलिए अनुश्रुत साक्षी होने के कारण घटना को प्रमाणित नहीं मानते हुए साक्ष्य के अभाव में सक्षम न्यायालय ने प्रकरण सव्यय निरस्त कर दिया।

घायल भाजपा नेत्री से मिलने अस्पताल पहुंचे सांसद लालवानी, कांग्रेस को ठहराया जिम्मेदार

इंदौर। इंदौर के गांधी भवन के बाहर हुए हिंसक संघर्ष के बाद सांसद शंकर लालवानी अस्पताल पहुंचे और पथराव में घायल हुई भाजपा मंडल उपाध्यक्ष बिंदु चौहान का हाल जाना। इस दौरान उनके साथ महापौर परिषद (एमआईसी) सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया भी मुख्य रूप से उपस्थित थे। दोनों नेताओं ने घायल नेत्री के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और अस्पताल प्रशासन को उनके उपचार में किसी भी प्रकार की कमी न रखने के निर्देश दिए। सांसद शंकर लालवानी और एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। लालवानी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण और पूर्व निर्धारित था, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सुनियोजित तरीके से पथराव और उपद्रव किया। उन्होंने डॉक्टरों से चर्चा कर बिंदु चौहान के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा।

सांसद ने इस कृत्य को लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा, हिंसा का यह कृत्य कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति का प्रतीक है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर पथराव करना यह दर्शाता है कि कांग्रेस के पास अब कोई राजनैतिक तर्क नहीं बचा है। नेताओं ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि घटना स्थल के वीडियो फुटेज के आधार पर उन सभी उपद्रवियों को चिह्नित किया जाए जिन्होंने माहौल बिगाड़ने और कार्यकर्ताओं को चोट पहुंचाने का काम किया है।

सफाई और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स की ज़मीनी हकीकत परखने सड़क पर उतरे आयुक्त

इंदौर। इंदौर को स्वच्छता के शिखर पर बनाए रखने और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शनिवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न केवल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स की प्रगति जांची, बल्कि संवेदनशील इलाकों में सफाई व्यवस्था का हाल भी जाना। उनके साथ अपर आयुक्त मनोज पाठक, स्वास्थ्य अधिकारी गंगराड़े सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त सिंघल ने सबसे पहले इंदौर स्मार्ट सिटी के अंतर्गत एमओजी लाइन 1 एवं 2 प्रोजेक्ट स्थल का सूक्ष्म अवलोकन किया। अधिकारियों से अब तक की प्रगति की जानकारी ली और शेष कार्यों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के कड़े निर्देश दिए। इसके पश्चात आयुक्त का काफिला सफाई व्यवस्था का जायजा लेने ज़ोन क्रमांक 16 और 03 के विभिन्न वार्डों में पहुँचा। उन्होंने एयरपोर्ट रोड, वीआईपी रोड, 60 फीट रोड, बड़वाली चौकी और सुभाष मार्ग जैसे प्रमुख क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया।

1.5 करोड़ के प्लाट में अडी डाल धमकी दे 40 लाख की समझौता राशि मांगने वाला बदमाश गिरफ्तार

इन्दौर। डेढ़ करोड़ के प्लॉट में अडी डालकर धमकाते चालीस लाख रुपए की मांग करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला द्वारकापुरी थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार सौरभ राठौर निवासी ऋषि नगर ने शिकायत दर्ज कराते पुलिस को बताया था कि वह प्रॉपर्टी का काम करता है। गुरुवार को वह अपनी बेटी को लेने जा रहा था, तभी कार शोरूम के पास आरोपी प्रेम पिता भुजराम प्रजापत ने उसके आगे अपनी गाड़ी अडाकर उसे रोका और धमकाते हुए कहा कि जिन अधिकारियों को वह आवेदन दे रहा है, उससे कुछ नहीं होगा और प्लॉट पर कब्जा वे ही करेंगे। साथ ही 40 लाख रुपए देने और कुख्यात बदमाश किशोर हटकर उर्फ भाऊ से समझौता करने का दबाव बनाते मौके से फरार हो गया था। इसके बाद सौरभ थाने पहुंचा और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई करते पुलिस ने बदमाश प्रेम को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में यह बात सामने आई है लेकिन गिरफ्तारी के बाद बदमाश ने खुद को छोड़ने के लिए युवा मोर्चा से जुड़े कुछ नेताओं के फोन पुलिसकर्मियों को लगवाकर पुलिस पर उसे छोड़ने का दबाव भी बनाया था लेकिन पुलिस ने कार्रवाई जारी रखी और गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसका क्षेत्र में जुलूस निकाला। पुलिस के अनुसार प्रेम के खिलाफ जमीन कब्जा, धोखाधड़ी, मारपीट और हत्या तथा धमकी के करीब आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। प्रेम ने सौरभ राठौर को किशोर हटकर उर्फ भाऊ के नाम से धमकी दी थी। थाने में

जिला चिकित्सालय में बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ के तहत 10 नवजात बालिकाओं को बेबी किट वितरण

विदिशा। श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय जिला चिकित्सालय में आज जन्मी 10 नवजात बालिकाओं को बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बेबी किट वितरित की गई।

यह वितरण कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन में किया गया, जिसका उद्देश्य बालिका जन्म को प्रोत्साहित करना एवं समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक संदेश देना है। बेबी किट वितरण के दौरान नवजात बालिकाओं के परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए बालिकाओं के उत्तम स्वास्थ्य, पोषण और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर उपस्थित परिजनों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे बेटियों के सम्मान और प्रोत्साहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सभी शासकीय चिकित्सालयों में बालिका जन्म होने पर नियमित रूप से बेबी किट का वितरण किया जा रहा है। इस पहल से जहां

नवजात बालिकाओं के परिवारों को प्रारंभिक सहयोग प्राप्त हो रहा है, वहीं समाज में बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने की सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा मिल रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि बेटियां समाज की सशक्त आधारशिला हैं और उनके जन्म, संरक्षण, शिक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए शासन एवं प्रशासन निरंतर प्रतिबद्ध है। यह पहल न केवल बालिका जन्म के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार कर रही है, बल्कि समाज में लैंगिक समानता को भी मजबूत कर रही है।

रोटरी के सहयोग से 17 मार्च से 24 मार्च तक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शिवपुरी। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग व रोटरी के सहयोग से रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन शिवपुरी अंतर्गत 17 मार्च से 24 मार्च तक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मेडिकल कॉलेज शिवपुरी में किया जाएगा। इस विशाल रोटरी मेडिकल मिशन के संदर्भ में तैयारियों की बैठक गतदिवस जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित हुई।

बैठक में कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय ऋषिश्वर, सिविल सर्जन डॉ.बी.एस.यादव सहित रोटरी के पदाधिकारी, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, रेडियोलॉजिस्ट, अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि इस शिविर में मरीजों को चिन्हित किया जायेगा, उसके बाद जिला मुख्यालय पर मरीजों को लाकर 17 मार्च से 24 मार्च तक उनकी बीमारियों का इलाज किया

जायेगा। इस रोटरी मेडीकल मिशन में सैकड़ों चिकित्सक नई दिल्ली, भोपाल, इन्दौर, बॉम्बे से आयेंगे। हमारा लक्ष्य है कि हम जरूरतमंद व्यक्ति के पास तक पहुंचे और उसे इलाज मुहैया करायें। यह पुण्य का कार्य है, हम अपने स्तर पर जीतना सहयोग कर सकते है, हमें उतना सहयोग करना चाहिए। वृहद शिविर की तैयारियों के क्रम में जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन 26, 27 एवं 28 फरवरी 2026 को जिला चिकित्सालय शिवपुरी में किया जाएगा। उक्त स्क्रीनिंग कैंप हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं एवं कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय ऋषिश्वर ने बताया कि विकासखंड स्तर पर आयोजित स्क्रीनिंग कैंप में चिन्हित किए गए मरीजों को जिला स्तरीय कैंप में लाना सुनिश्चित किया जाएगा। आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से सर्वे कर गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों की लाइन लिस्ट तैयार कर उन्हें भी कैंप में लाया जा सकेगा। जिला स्तरीय कैंप हेतु सिविल सर्जन, जिला चिकित्सालय शिवपुरी द्वारा चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी निर्धारित की जाएगी। कैंप स्थल का चयन, पेयजल एवं बैठक व्यवस्था, पंजीयन काउंटर की स्थापना तथा आवश्यकतानुसार सीटी, एमआरआई एवं पैथोलॉजी जांच कर मरीजों की केस शीट तैयार की जाएगी। कैंप में सर्जरी एवं गंभीर बीमारियों से चिन्हित रोगियों की सूची तैयार की जाएगी। जिन मरीजों का उपचार जिला चिकित्सालय स्तर पर संभव होगा, उनका उपचार यहीं सुनिश्चित किया जाएगा। जिनका उपचार मेडिकल कॉलेज स्तर पर संभव होगा, उन्हें वहां भेजने की व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त ऐसे मरीजों की पृथक सूची तैयार की जाएगी, जिनका उपचार जिला चिकित्सालय अथवा मेडिकल कॉलेज स्तर पर संभव नहीं है। ऐसे मरीजों का उपचार 17 मार्च से 24 मार्च 2026 तक आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर में मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल से आने वाले विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा।

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक सम्पन्न, वर्ष 2026-27 की गाइडलाइन दरों पर विस्तृत समीक्षा

भोपाल। जिला स्तरीय मूल्यांकन समिति की बैठक शनिवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला मूल्यांकन समिति के सदस्य विधायक दक्षिण-पश्चिम भोपाल श्री भगवानदास सबनानी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री प्रमोद राजपूत सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित गाइडलाइन दरों पर चर्चा करते हुए संपदा पोर्टल से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। ग्राम एवं नगर निवेश द्वारा स्वीकृत अभिन्यास, औद्योगिक क्षेत्रों की स्थिति, नव विकसित क्षेत्रों तथा सघन व्यावसायिक क्षेत्रों की समीक्षा कर बाजार मूल्य निर्धारण के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया। जिले में अचल संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालयों में किया जाता है। चार उप पंजीयक कार्यालयों के माध्यम से पंजीयन कार्य संचालित किया जा रहा है। पंजीयन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरल बनाने के लिए सम्पदा 2.0 का नया इलेक्ट्रॉनिक संस्करण प्रभावी किया गया है। सम्पदा 2.0 प्रणाली के अंतर्गत पंजीयन से पूर्व संपत्तियों का चयन वास्तविक स्थल निरीक्षण तथा जियो-टैगिंग (अक्षांश-देशांतर आधारित फोटो) के माध्यम से किया जाता है, जिससे संपत्ति का सत्यापन अधिक सटीक एवं पारदर्शी बन सके। वर्ष 2025-26 के पंजीयन डेटा के विश्लेषण में उच्च मूल्य के दस्तावेजों के कारण 1307 लोकेशन की दरों में वृद्धि के सुझाव प्राप्त हुए थे। एक ही वार्ड की आसपास की कॉलोनियों में दरों के अत्यधिक अंतर को देखते हुए 203 लोकेशन, पंजीयन अधिकारियों के सर्वे के आधार पर 91 लोकेशन तथा नवीन विकास (चेंज डिटेक्शन) के कारण 37 लोकेशन में दर वृद्धि प्रस्तावित की गई। इसी प्रकार टीएंडसीपी से अभिन्यास स्वीकृति एवं आमजन सुविधा के कारण 38 लोकेशन, नए राष्ट्रीय राजमार्ग/बायपास/रिंग रोड के प्रभाव से 18 लोकेशन तथा नए औद्योगिक एवं विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना के कारण 3 लोकेशन प्रभावित पाई गई।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

शिवपुरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में रंजना चतुर्वेदी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की अध्यक्षता में गतदिवस विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर डी.डी.आर.सी. भवन मंगलम शिवपुरी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सामाजिक न्याय विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग शिवपुरी के समन्वय से विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में उपस्थित लोगों को रंजना चतुर्वेदी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी के द्वारा विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर समाजिक न्याय और समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नालसा गरीबी उन्मूलन योजना के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु विधिक सेवाऐं योजना 2015 के अंतर्गत जानकारी प्रदान की। उनके द्वारा बताया गया कि हाशिए पर पड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर विशेष

ध्यान केंद्रित करते हुए गरीबी उन्मूलन योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के संबंध में जानकारी प्रदान की। यह भी बताया गया कि इस पहल का उद्देश्य लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रमों तक पहुंच और कानूनी सहायता के साधनों के बारे में शिक्षित करना है। ताकि सभी के लिए समावेशिता और न्याय को बढ़ावा दिया जा सके। इसके साथ ही नालसा एवं सालस द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों को दी। इस अवसर पर श्री पवन कुमार चंदेल, डिप्टी डिफेंस काउंसेल द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसेल योजना के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग राघवेन्द्र शर्मा के द्वारा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में सुश्री नम्रता गुप्ता, उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग ने शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

मतदाता सूची का हुआ अंतिम प्रकाशन राजनैतिक दलों को सौपी मतदाता सूची

अशोक नगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जारी कार्यक्रम के तहत जिले में मतदाता सूची को शुद्ध पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का संचालित की गई। एसआईआर के अंतर्गत अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री साकेत मालवीय द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतिम प्रकाशन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 की स्थिति में जिले में कुल 06 लाख 24 हजार 466 मतदाता है। जिसमें 02 लाख 96 हजार 843 महिला मतदाता,03 लाख 27 हजार 613 पुरूष मतदाता तथा 10 थर्ड जेण्डर मतदाता शामिल है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र 032 अशोकनगर में कुल 02 लाख 14 हजार 695 मतदाता है,जिसमें 01 लाख 02 हजार 539 महिला मतदाता,01 लाख 12 हजार 151 पुरूष मतदाता तथा 05 थर्ड जेण्डर मतदाता शामिल है। विधानसभा क्षेत्र 033 चंदेरी में कुल 01 लाख 96 हजार 569 मतदाता है,जिसमें 93 हजार 537 महिला मतदाता,01 लाख 03 हजार 28 पुरूष मतदाता तथा 04 थर्ड जेण्डर मतदाता शामिल है। विधानसभा क्षेत्र 034 मुंगावली में कुल 02 लाख 13 हजार 202 मतदाता है,जिसमें 01 लाख 767 महिला मतदाता,01 लाख 12 हजार 434 पुरूष मतदाता तथा 01 थर्ड जेण्डर मतदाता शामिल है। जिले में कुल 89 सेवा मतदाता शामिल है। जिसमें विधानसभा क्षेत्र 032 अशोकनगर में 33,चंदेरी में 28 तथा विधानसभा मुंगावली में 28 सेवा मतदाता है। जिले में 18- 19 वर्ष के कुल 12454 मतदाता शामिल है। जिसमें विधानसभा क्षेत्र 032 अशोकनगर में 3980,चंदेरी में 3721 तथा विधानसभा मुंगावली में 4753 सेवा मतदाता है। जिले में 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 2429 मतदाता शामिल है। जिसमें विधानसभा क्षेत्र 032 अशोकनगर में 893,चंदेरी में 711 तथा विधानसभा मुंगावली में 825 मतदाता है। जिले में कुल 8523 दिव्यांग मतदाता है। जिसमें विधानसभा क्षेत्र 032 अशोकनगर में 3087,चंदेरी में 2374 तथा विधानसभा मुंगावली में 3062 मतदाता है। जिले का ईपी रेश्यों कुल 58.03 है। जिसमें विधानसभा क्षेत्र 032 अशोकनगर में 60.45,चंदेरी में 55.55 तथा विधानसभा मुंगावली में 58.08 है। जिले का जेण्डर रेश्यों कुल 906 है। जिसमें विधानसभा क्षेत्र 032 अशोकनगर में 914,चंदेरी में 908 तथा विधानसभा मुंगावली में 896 है। उन्होंने बताया कि जिले में कुल मतदान केन्द्रों की संख्या 843 है। जिसमें विधानसभा क्षेत्र 032 अशोकनगर में 297,चंदेरी में 262 तथा विधानसभा मुंगावली में 284 मतदान केन्द्र शामिल है। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 की प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची की विधानसभावार प्रतियां प्रदान की गई।

भारत का भाग्य,भविष्य और भय के बीच खड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग

> इस सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि विदेशी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में थी। वैश्विक टेक कंपनियों, निवेश फंडों और बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की रुचि दिखाई। डेटा सेंटर,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइन और एआई स्टार्टअप में अरबों डॉलर के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित एआई इम्पैक्ट सम्मेलन भारत के आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण के रूप में दर्ज किया जाएगा। यह केवल एक अन्तराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन नहीं था,बल्कि एक सभ्यतागत घोषणा थी - कि भारत अब अपनी नियति कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति से गढ़ना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में यह आयोजन भारत की उस महत्वाकांक्षा का प्रतीक बना, जिसमें तकनीक विकास का साधन नहीं,बल्कि राष्ट्र-निर्माण का दर्शन बन रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन भाषण में जिस आत्म विश्वास से कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता भारत का भाग्य और भविष्य है,वह कथन किसी राजनीतिक भाषण से अधिक एक रणनीतिक उद्घोष था। यह उस भारत की आवाज थी,जो औपनिवेशिक युग में औद्योगिक क्रांति से वंचित रहा, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति में सेवा क्षेत्र तक स्वयं को सीमित रखा,और अब तीसरी बड़ी तकनीकी क्रांति—कृत्रिम बुद्धिमत्ता - में नेतृत्व की आकांक्षा रखता है। मोदी सरकार के लिए एआई केवल तकनीकी उपकरण नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न का मुख्य इंजन है जिस प्रकार बीसवीं सदी में रेल,बिजली और सड़क राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बने, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में डेटा, एल्गोरिद्म और सुपरकंप्यूटिंग को राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने एआई को "डिजिटल स्वराज" का मार्ग बताया - एक ऐसा स्वराज जिसमें भारत

तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और नियंता होगा।

अश्विनी वैष्णव का दृष्टिकोण इस स्वप्न को संस्थागत ढाँचा देने का प्रयास है। उन्होंने एआई को राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के फाउंडेशन मॉडल,राष्ट्रीय डेटा ग्रिड और सुपरकंप्यूटिंग क्षमता विकसित करनी होगी।उनका मानना था कि एआई भारत के लिए वही भूमिका निभाएगा, जो बीसवीं सदी में रेलवे और बिजली ने निभाई—देश को जोड़ने और गति देने की भूमिका।

एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में कई रणनीतिक घोषणाएँ की गईं, जो भारत के तकनीकी भविष्य की दिशा निर्धारित करती हैं।सरकार ने राष्ट्रीय एआई कंप्यूट ग्रिड, स्वदेशी भाषा मॉडल,सरकारी सेवाओं में एआई के व्यापक उपयोग,स्वास्थ्य और शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, स्मार्ट शहरों और रक्षा प्रणालियों में एआई आधारित समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत को एआई अनुसंधान, स्टार्टअप और उद्योग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति,वित्त और अवसंरचना के समन्वित प्रयासों की घोषणा की गई। इस सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि विदेशी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में थी। वैश्विक टेक कंपनियों, निवेश फंडों और बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की रुचि दिखाई। डेटा सेंटर,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइन और एआई स्टार्टअप में अरबों डॉलर के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई। भारत को एआई निर्माण और अनुसंधान का वैश्विक हब बनाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की घोषणा की गई। यह संकेत है कि वैश्विक पूंजी भारत को अगली तकनीकी क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र मान रही है। विदेशी निवेश के साथ रोजगार की संभावनाएँ भी इस सम्मेलन का केंद्रीय विषय रहीं।सरकार और उद्योग जगत का दावा है कि एआई भारत में लाखों नई नौकरियाँ पैदा करेगा - डेटा वैज्ञानिक, एआई इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, चिप डिजाइनर, डिजिटल सेवा प्रदाता और तकनीकी प्रशिक्षक जैसे क्षेत्रों में। साथ ही, एआई आधारित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सेवाओं में नए प्रकार के रोजगार उत्पन्न होंगे। यह आशा व्यक्त की गई कि भारत की विशाल युवा जनसंख्या को एआई युग के लिए कौशल प्रदान कर वैश्विक कार्यबल का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाएगा। परंतु इतिहास हमें सिखाता है कि हर तकनीकी क्रांति अवसरों के साथ विस्थापन भी लाती है। औद्योगिक क्रांति ने पारंपरिक कारीगरों को विस्थापित किया, सूचना क्रांति ने डिजिटल डिवाइड को जन्म दिया, और एआई क्रांति मानव श्रम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा कर रही है।मशीनें न केवल शारीरिक श्रम, बल्कि बौद्धिक श्रम भी करने लगी हैं।पत्रकारिता, बैंकिंग, कानून,शिक्षा,चिकित्सा और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई का प्रवेश तेजी से हो रहा है।आम आदमी के मन में यह भय स्वाभाविक है कि कहीं यह तकनीक उसकी आजीविका न छीन ले।सरकार कौशल विकास और पुनः प्रशिक्षण की बात करती है, परंतु भारत जैसे विशाल और विविध समाज में यह कार्य कितना प्रभावी होगा, यह एक खुला प्रश्न है। ग्रामीण,असंगठित और कम शिक्षित श्रमिक वर्ग के लिए एआई युग में समायोजन आसान नहीं होगा।यदि एआई नीति सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा सुधार और रोजगार पुनर्गठन के साथ नहीं जुड़ी,तो यह तकनीकी प्रगति सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है। एक अन्य गहरा प्रश्न मानव निर्णयों पर मशीन के प्रभाव का है। यदि शासन,न्याय और सुरक्षा में एआई का उपयोग बढ़ता है,तो मानवीय विवेक,नैतिकता और संवेदना का स्थान एल्गोरिद्म ले सकता है। एल्गोरिद्म निष्पक्ष होने का दावा करता है, परंतु वह भी मानव निर्मित होता है और उसमें मानव पूर्वाग्रह समाहित हो सकते हैं। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मानव प्रतिनिधियों और संस्थाओं के हाथ में होना चाहिए,परंतु एआई की बढ़ती भूमिका लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को जटिल बना सकती है।डेटा और गोपनीयता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है।एआई डेटा पर आधारित है,डेटा आधुनिक युग का नया तेल बन चुका है।नागरिकों की निजी जानकारी,व्यवहार, स्वास्थ्य,शिक्षा और वित्तीय विवरण एआई प्रणालियों में प्रवाहित होंगे। यह प्रश्न उठता है कि इस डेटा का स्वामी कौन होगा - नागरिक,सरकार या कॉर्पोरेट? भारत में डेटा संरक्षण कानून विकसित हो रहे हैं, परंतु आम नागरिक के मन में यह आशंका है कि कहीं उसकी निजता तकनीकी प्रगति की बलि न चढ़ जाए।डिजिटल असमानता का प्रश्न भारत के लिए विशेष रूप से गंभीर है। भारत एक असमान समाज है—शहरी और ग्रामीण, अमीर और गरीब, शिक्षित और अशिक्षित के बीच गहरी खाई है।यदि एआई केवल शहरी,अंग्रेजी-भाषी और तकनीकी रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित रहा,तो यह खाई और गहरी हो सकती है। मोदी सरकार भारतीय भाषाओं में एआई मॉडल विकसित करने की बात करती है, ताकि ग्रामीण और क्षेत्रीय भाषाओं के नागरिक भी लाभान्वित हों।यह एक सकारात्मक संकेत है,परंतु इसे नीति और संसाधनों के स्तर पर वास्तविक रूप देना चुनौतीपूर्ण होगा।एआई इम्पैक्ट सम्मेलन 26 में भारत बनाम अमेरिका और चीन की तकनीकी प्रतिस्पर्धा का संदर्भ भी स्पष्ट था। अमेरिका एआई अनुसंधान और नवाचार में अग्रणी है, चीन एआई को राज्य-नियंत्रित रणनीतिक हथियार के रूप में विकसित कर रहा है, और भारत तीसरा रास्ता खोज रहा है।

■ उमेश चतुर्वेदी

मायावती-ओवैसी फैक्टर ने बदली अखिलेश की स्क्रिप्ट

उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी जिस बदले हुए तेवर-कलेवर को अपनाकर चलती हुई दिख रही है, वह किसी वैचारिक आत्ममंथन का परिणाम कम और बदलते चुनावी गणित की उपज ज्यादा है। दरअसल प्रदेश में मायावती और ओवैसी फैक्टर की मजबूती ने स्पष्ट रूप से समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले को सीधी चुनौती है। यही कारण है कि समाजवादी पार्टी ने लंबे समय तक जिस M-Y (मुस्लिम-यादव) समीकरण को सत्ता की चाबी माना, वह अब पहले जैसी भरोसेमंद पूंजी नहीं रह गई है।

अखिलेश यादव को कहीं न कहीं इस बात का भान है और हालिया राजनीतिक घटनाक्रम और बिहार जैसे पड़ोसी राज्य के चुनावी नतीजे ने इसे और पुष्ट किया है। ऐसे में, आज सपा की नई रणनीति का केंद्र इस विमर्श पर टिका है कि जब परंपरागत वोट बैंक बिखरने लगे, तो आखिर चुनाव कैसे जीता जाए? जाहिर है, बिना सवर्णों के सहयोग से ऐसा हो पाना असंभव है। इस बदलाव की पहली स्पष्ट झलक बिहार विधानसभा चुनाव में दिखी। अखिलेश यादव ने वहां विपक्षी गठबंधन के लिए आक्रामक प्रचार किया और 25 से अधिक सीटों पर रैलियां कीं। रणनीति यह थी कि एकजुट अल्पसंख्यक वोट सत्ता विरोधी लहर पैदा करेगा। लेकिन, नतीजा इसके उलट निकला। मुस्लिम वोटों के बड़े पैमाने पर एकजुट होने के बावजूद एनडीए ने प्रचंड जीत दर्ज की। यह परिणाम अखिलेश के लिए चेतावनी था कि केवल अल्पसंख्यक गोलबंदी भी अब सत्ता की गारंटी नहीं रही।

बिहार के बाद महाराष्ट्र और अन्य

राज्यों AIMIM के प्रदर्शन ने इस आशंका को और गहरा कर दिया है। इन राज्यों में ओवैसी फैक्टर के प्रभाव ने यह साबित कर दिया कि मुस्लिम मतदाता अब अपनी स्वतंत्र राजनीतिक अभिव्यक्ति तलाश रहा है। उत्तर प्रदेश में भी AIMIM की मौजूदगी और उसका बढ़ता जमीनी प्रभाव सपा के लिए खतरे की घंटी है। अखिलेश जानते हैं कि अगर AIMIM यूपी में मजबूती से उतरी, तो मुस्लिम वोटों का एक हिस्सा सपा से खिसकना तय है। मुस्लिम वोटों का छिटकना सपा के लिए निर्णायक हार तय कर सकता है।

अखिलेश की दूसरी बड़ी चुनौती मायावती की सक्रियता है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में PDA (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का नारा देकर सपा ने खासतौर पर 'संविधान बदलने' के नैरेटिव के सहारे दलित वोटों में सेंध लगाने की कोशिश की थी। लेकिन वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले हालात बदलते दिख रहे हैं। बसपा फिर से संगठन को खड़ा कर रही है और मायावती खुलकर चुनावी मैदान में उतरने के संकेत दे रही हैं। यदि बसपा दलित वोटों को फिर से अपने पाले में करने में सफल रही तो PDA का गणित स्वतः ही कमजोर पड़ जाएगा।सपा के रुख में बदलाव का संकेत पार्टी के भीतर के घटनाक्रमों से भी मिलता है। जैसे रामपुर में उम्मीदवार चयन से लेकर आजम खान का निर्णय न मानना। इसे केवल व्यक्तिगत मतभेद कहकर नहीं टाला जा सकता। यह दरअसल उस रणनीति का हिस्सा है, जिसमें पार्टी यह दिखाना चाहती है कि वह किसी एक चेहरे या एक समुदाय पर निर्भर नहीं है। अल्पसंख्यक राजनीति का 'ओवर-डिपेंडेंस' अब सपा को जोखिम भरा लगने लगा है।

नई चुनावी पिच पर सपा इन दिनों खुलकर खेल रही है। ब्राह्मणों और अन्य सवर्ण मतदाताओं को लुभाने के प्रयास, धार्मिक स्थलों का प्रचार, सांस्कृतिक प्रतीकों पर नरम रुख इसी रणनीति का हिस्सा है। संदेश साफ है: सपा का भरोसा अब पिछड़ा-अल्पसंख्यक वोटों पर पहले जैसा नहीं रहा। यह बदलाव वैचारिक क्रांति नहीं, बल्कि उस राजनीतिक विवशता से उपजा है जो मानती है कि M-Y समीकरण अब 'जीत की गारंटी' नहीं।

पिछले कई विधानसभा चुनावों का ट्रैक रिकॉर्ड यही बताता है कि यूपी जैसे राज्य में किसी एक सामाजिक समूह के सहारे सत्ता पाना अब लगभग असंभव हो चुका है। भाजपा ने व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाकर यह मॉडल पहले ही स्थापित कर दिया है। अखिलेश अब उसी वास्तविकता को स्वीकारते दिख रहे हैं। उन्हें अंदेशा है कि यदि बसपा दलित वोट काटे और AIMIM मुस्लिम वोटों में सेंध लगाए, तो सपा का पारंपरिक आधार बुरी तरह कमजोर हो सकता है।

वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। ऐसे में अखिलेश यादव के पास विकल्प सीमित हैं। या तो वे पुराने समीकरणों पर भरोसा करते रहें या फिर जोखिम उठाएं और नए सामाजिक समूहों को साधने की कोशिश करें।

M-Y समीकरण पर कम हुए भरोसे के बीच सवर्णों की ओर बढ़ता झुकाव इसी दूसरे विकल्प का संकेत है। यह रणनीति सफल होगी या नहीं, यह अलग विषय है, लेकिन इतना तय है कि मायावती और ओवैसी के उभार ने अखिलेश को अपनी राजनीति पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। इस संकेत को समझना अल्पसंख्यक मतदाताओं के लिए भी अहम है। क्योंकि यह एक ऐसा वोटर समूह रहा है जिसने एकजुट होकर हमेशा सपा को वोट दिया।

सहजयोग अंधविश्वासों, आडंबरों से परे परमात्मा से योग का प्रत्यक्ष ज्ञान है

संपूर्ण ब्रह्मांड की संरचना में दो प्रकार के तत्वों की भूमिका है, जैविक व अजैविक। जो आदिशक्ति के स्वरूप श्री लक्ष्मी व श्री सरस्वती द्वारा संचालित हैं। लक्ष्मी श्री विष्णु की शक्ति हैं तो सरस्वती श्री ब्रह्मा जी की और ब्रह्मा का जन्म विष्णु की नाभि से माना जाता है। लक्ष्मी तत्व पदार्थों के रूप में स्पंदित होता है तो सरस्वती तत्व नाद के रूप में। पदार्थ व शब्द दोनों ही मनुष्य जीवन का अहम हिस्सा हैं परंतु दोनों को ही आदिशक्ति के तीसरे स्वरूप महाकाली ने माया के आवरण में ढका हुआ होता है। पदार्थों का आकर्षण मनुष्य को स्थूल से ऊपर नहीं उठने देता। वहीं शब्दों की माया हमें किसी का प्रिय किसी, का विरोधी सफल या असफल बना देती है। हमारे मन में पदार्थों को देखकर जो इच्छाएं जागृत होती हैं वही शब्दों के रूप में प्रकट होती हैं। ज्ञान शब्द नहीं होते, शास्त्र कहते हैं ज्ञान पैदा नहीं होता और ना ही नष्ट किया जा सकता है ज्ञान जन्म से ही हमारे साथ होता है, जैसे-जैसे आत्मा से हमारी दूरी कम होती जाती है, आत्मा अनावरित होती जाती है वैसे वैसे आप को ज्ञान की प्राप्ति होती जाती है। और तब मानस शब्दों की अनुभूति हमें सूक्ष्म शरीर में विभिन्न चक्रों पर वर्णों के रूप में होती है। और ज्ञान की इस अवस्था में वर्णों का यह स्पंदन ब्रह्मांड के नाद से संयुक्त हो जाता है और तब संपूर्ण ब्रह्मांड का रहस्य स्वयं अंतस में प्रकट होने लगता है। जिसे स्वयं का ज्ञान नहीं होता उसके अन्य सांसारिक ज्ञान भी भ्रांतिपूर्ण व अपूर्ण होते हैं।

हम सदैव दूसरों के अनुभवों को ज्ञान के रूप में ग्रहण करते रहते हैं परंतु वास्तव में अविष्कारी या वैज्ञानिक वही होता है जो स्वयं का ज्ञान व अनुभव अर्जित करता है। पुस्तकें मार्गदर्शक हो सकती हैं ध्येय नहीं। श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग आत्मा के आवरणों से परे ब्रह्मानुभूति का विज्ञान है। जो अंधविश्वासों, कर्मकाण्ड व आडंबरों से परे है। सहजयोग विवेक व बोध के द्वारा क्रिया एवं विचारों से बाहर निकाल कर ध्यान का मार्ग प्रशस्त करता है। और हमें उस ज्ञान व विद्या का साक्षात्कार प्रदान करता है जो हमारे साथ जन्मी है, जो सहज है। सहज योग में हम स्पंदनों की भाषा को समझने लगते हैं जो अधिक शक्तिशाली, तीव्रगामी व वास्तविक होती है। आप अपने किसी दूर बैठे हुए व्यक्ति के बारे में सिर्फ स्पंदनों से जान सकते हैं दूसरों की परेशानियों को ये स्पंदन ठीक कर सकते हैं विभिन्न रोगों का उपचार कर सकते हैं। स्पंदन के इस विज्ञान का अनुभव प्राप्त करने हेतु आप जानकारी निम्न साधनों से पा सकते हैं। टोल फ्री नं ङ्क 1800 2700 800 यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा।

एआई इम्पैक्ट समिट: घोषणा पत्र पर 86 देशों, दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने किए हस्ताक्षर

AI संसाधनों-सेवाओं को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने पर सहमति

| नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के घोषणा पत्र पर कुल 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर करने वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, डेनमार्क और जर्मनी भी शामिल हैं। यह कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रभावों पर आयोजित शिखर सम्मेलन के प्रति वैश्विक समर्थन को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार को नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए।

वैष्णव ने कहा कि दुनिया भर के देशों ने 'सभी के कल्याण और सभी की खुशी' के सिद्धांतों को मान्यता दी है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव-केंद्रित एआई की दृष्टि को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया है। एआई संसाधनों, सेवाओं और प्रौद्योगिकी को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने का लक्ष्य सभी देशों ने स्वीकार किया है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक वृद्धि के साथ सामाजिक भलाई को संतुलित करने को प्राथमिकता दी जा रही है।

वैष्णव ने कहा, सिर्फ आर्थिक वृद्धि ही नहीं, सामाजिक सामंजस्य पर भी ध्यान देना जरूरी है। सुरक्षा और भरोसा इस योजना के केंद्र में हैं और इन्हें मुख्य बिंदुओं में शामिल किया गया है।

वैश्विक सहयोग के लिए इन बातों पर जोर

- एआई शासन में साझा वैश्विक प्राथमिकता को आगे बढ़ाना
- ऐच्छिक, नॉन-बाइंडिंग फ्रेमवर्क को बढ़ावा देना
- लगातार सहयोग के जरिए विजन को एक्शन में बदलना

इन बिंदुओं पर केंद्रित है घोषणा पत्र

- एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण
- आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई
- सुरक्षित और भरोसेमंद एआई
- विज्ञान के लिए एआई
- सामाजिक सशक्तीकरण के लिए पहुंच
- मानव पूंजी विकास
- लचीली, कुशल और नूतन एआई प्रणाली

ये रहे मुख्य वैश्विक निष्कर्ष

1. **एआई के लोकतांत्रिक वितरण के लिए चार्टर:** बुनियादी एआई संसाधनों तक सस्ती पहुंच को बढ़ावा देना
2. **एआई के इस्तेमाल के मामलों को दुनिया भर में बढ़ाने और दोहराने के लिए मंच:** विकास के लिए देश-विदेश में मिलकर काम करने में बनाएगा सक्षम
3. **भरोसेमंद एआई सामान्य बिंदु:** टूल, बेंचमार्क और श्रेष्ठ परिपाटियों का भंडार सुरक्षित और भरोसेमंद एआई सिस्टम के विकास को समर्थन करता है
4. **विज्ञान संस्थानों के लिए एआई का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क:** वैश्विक वैज्ञानिक सहयोग को आसान बनाता है। एआई से चलने वाली शोध क्षमताओं को बढ़ाता है
5. **सामाजिक सशक्तिकरण प्लेटफॉर्म के लिए एआई:** ज्ञान के आदान-प्रदान और मापन योग्य समाधानों को मुमकिन बनाता है। एआई को बराबर अपनाने पर फोकस करता है
6. **एआई श्रम शक्ति विकास प्लेबुक और रीस्किलिंग सिद्धांत:** एआई स्किलिंग, रीस्किलिंग और साक्षरता का समर्थन करता है। देशों को एआई से चलने वाली अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करता है
7. **लचीलेपन और दक्ष एआई पर मार्गदर्शक सिद्धांत:** एनर्जी-एफिशिएंट एआई सिस्टम पर फोकस, एआई अवसंरचना लचीलेपन पर प्लेबुक द्वारा समर्थित

मानहानि मामले में कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी

ठाणे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक कार्यकर्ता द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में नया जमानतदार पेश करने के लिए शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक मजिस्ट्रेट की अदालत में उपस्थित हुए और उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को नया जमानतदार नामित किया।

सोनिया के खिलाफ वोटर लिस्ट मामले में सुनवाई टली

नई दिल्ली। बिना नागरिकता हासिल किए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल रिवीजन याचिका पर राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई स्थगित कर दी गई है। अदालत ने अगली सुनवाई 13 मार्च को तय की है। वकील विकास त्रिपाठी ने इस मामले में रिवीजन पिटीशन दाखिल की है। सुनवाई के दौरान सोनिया गांधी की ओर से पेश वकील ने अदालत से सुनवाई टालने का अनुरोध किया।

सीएम रेखा गुप्ता मातृश्री पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जनसेवा और सामाजिक कल्याण में उनके योगदान के लिए 50वें मातृश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शनिवार को यहां जारी एक बयान में कहा गया है कि एक समारोह के दौरान मुख्यमंत्री को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री को भारत माता की एक तस्वीर और एक शॉल भेंट की गई। मातृश्री पुरस्कार की स्थापना 1975 में पंजाब केसरी के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शर्मा ने पत्रकारिता और सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने के लिए की थी।

गृह मंत्री अमित शाह ने असम में कई कार्यक्रमों में लिया भाग

पांच वर्षों में घुसपैठियों को देश से निकाल दिया जाएगा: शाह

एजेंसी | गुवाहाटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जोर दिया कि अगर भारत नक्सलियों से मुक्त हो सकता है, तो वह घुसपैठियों से भी मुक्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में अवैध प्रवासियों को न केवल मतदाता सूची से बल्कि देश से भी निकाल दिया जाएगा। शाह असम पुलिस की 10वीं बटालियन के नए परिसर की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। बटालियन के बारे में उन्होंने कहा कि इसका निर्माण घुसपैठियों के अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर किया जाएगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता ने एक बार कहा था कि घुसपैठियों को बाहर निकाल दिया जाएगा, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं कर सकती, क्योंकि अवैध प्रवासी उसका वोट बैंक हैं। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण की गई जमीनों से घुसपैठियों को निकालना ही काफी नहीं है, उन्हें भारत से बाहर भी भेजना होगा। शाह ने कहा कि अगले पांच वर्षों में असम पूर्व और पूर्वोत्तर भारत का औद्योगिक केंद्र बन जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुवाहाटी में सीआरपीएफ की 87वीं स्थापना दिवस परेड के दौरान CRPF कमांडेंट अमित कुमार को ऑपरेशनल बटालियन ट्रॉफी देते हुए।

31 मार्च तक नक्सलवाद को कर दिया जाएगा खत्म

शाह ने शनिवार को पूर्वोत्तर में पहली बार आयोजित 87वीं सीआरपीएफ दिवस परेड को भी संबोधित किया। सीआरपीएफ के 86 साल के इतिहास में पहली बार इसकी स्थापना दिवस परेड पूर्वोत्तर में आयोजित की गई। शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां पत्थरबाजी की घटनाओं की संख्या घटकर शून्य हो गई है। इसके अलावा मणिपुर में जातीय हिंसा से निपटने और केवल तीन वर्षों में माओवादियों की कमर तोड़ने के लिए भी सीआरपीएफ को तैनात किया गया। उन्होंने कहा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सली समस्या का सफाया कर देंगे। शाह ने कहा कि 10-11 साल पहले देश में जख्मों को कुरेदने वाले तीन बड़े हॉटस्पॉट थे-जम्मू कश्मीर में आतंकवाद, पूर्वोत्तर में नक्सलवाद और उग्रवाद-जो अब शांति और प्रगति के केंद्र बन गए हैं। उन्होंने कहा, ये तीनों क्षेत्र, जो कभी बमबारी, गोलीबारी, नाकाबंदी और विनाश के लिए जाने जाते थे, आज देश के विकास का हिस्सा हैं। सीआरपीएफ के योगदान के बिना ऐसी शांति संभव नहीं होती।

सीआरपीएफ के 2,270 जवान अब तक शहीद

गृह मंत्री ने कहा कि 86 वर्षों में सीआरपीएफ ने न केवल उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि देश की सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ बनकर ठोस परिणाम भी दिए हैं। इस दौरान 2,270 जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। मैं उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। शाह ने बताया कि पूर्वोत्तर में सीआरपीएफ के 700 जवान शहीद हुए, 780 नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में और 540 जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए। इन बलिदानों के बिना, आज इन तीनों संवेदनशील क्षेत्रों को विकास के पथ पर ले जाना असंभव होता। इससे पहले, सीआरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) जी पी सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' ने नक्सलियों की कमर तोड़ दी।

भूपेन बोरा ने अमित शाह से मुलाकात की

पार्टी से इस्तीफा दे चुके असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने शुक्रवार रात यहां सरकारी अतिथि गृह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बोरा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा और लखीमपुर के विधायक मनाब डेका की मौजूदगी में शाह से मुलाकात की। बैठक के बाद बोरा ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें शाह से मिलने के लिए कहा था, इसलिए वह उनसे शिष्टाचार भेंट करने आए थे।

पीएम मोदी का मेरठ दौरा आज

मेट्रो व नमो भारत ट्रेन की देंगे सौगात

एजेंसी | नई दिल्ली/मेरठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मेरठ व एनसीआर को बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। पीएम पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इस शहर में शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर 'मेरठ मेट्रो' और 'नमो भारत ट्रेन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रधानमंत्री मेरठ में लगभग 12,930 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 22 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी संपूर्ण 82 किलोमीटर लंबे 'दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर' को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह भारत की पहली 'नमो भारत रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' (आरआरटीएस) के शेष खंडों का उद्घाटन करेंगे, जिनमें दिल्ली में सराय काले खां और न्यू अशोक नगर के बीच का पांच किलोमीटर का खंड और उत्तर प्रदेश में मेरठ साउथ और मोदीपुरम के बीच का 21 किलोमीटर का खंड शामिल है। पीएम मोदी इस अवसर पर जनसभा को संबोधित भी करेंगे। उधर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया है। जनसभा में एक लाख से ज्यादा लोगों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा प्रबंधन और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मेरठ साउथ और मोदीपुरम के बीच चलने वाली मेरठ मेट्रो सेवाओं का भी उद्घाटन करेंगे। यह नमो भारत के बुनियादी ढांचे पर ही संचालित होगी, जो देश में अपनी तरह की पहली पहल है।

केंद्र सरकार ने तय किया लक्ष्य

छह करोड़ महिलाओं को बनाया जाएगा 'लखपति दीदी': चौहान

एजेंसी | हैदराबाद

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 2029-30 तक छह करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य हासिल करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2027 के अंत तक तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह ग्रामीण विकास मंत्रालय की टीम, बैंकों और राज्य सरकारों के सहयोग से 2025 तक ही हासिल कर लिया गया था। चौहान यहां दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत केंद्रीय समन्वय समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने व्याख्या करते हुए कहा कि 'लखपति दीदी' उस महिला को कहते हैं, जिसकी वार्षिक शुद्ध आय एक लाख रुपए या उससे अधिक है। मौजूदा समय में 3.01 करोड़ महिलाओं ने यह उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, तीन करोड़ 'लखपति दीदी' का लक्ष्य हासिल करना अपेक्षाकृत आसान था, क्योंकि कई महिलाओं की आय 50,000 रुपए से 60,000 रुपए के बीच थी। लेकिन कम आय वाली महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। हम 2029-30 तक इस लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करेंगे। यह पहले की तुलना में कठिन है।

कांग्रेस के विरोध में भाजपा कार्यकर्ता उतरे सड़कों पर

कांग्रेस का प्रदर्शन सोची-समझी साजिश: रिजिजू

एजेंसी | नई दिल्ली/मुंबई

दिल्ली में भारत मंडपम में एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन के दौरान यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन की भाजपा व अन्य कई दलों ने आलोचना की है। वहीं, इस प्रदर्शन के विरोध में शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने देश के विभिन्न भागों में प्रदर्शन किया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में विरोध प्रदर्शन करने के लिए अपनी युवा शाखा के कार्यकर्ताओं को लगाकर देश के खिलाफ बड़ा पाप किया है। रिजिजू ने विरोध प्रदर्शन को शर्मनाक बताते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस युवा शाखा का विरोध प्रदर्शन कोई गलती नहीं, बल्कि भारत पर हमला करने के लिए पार्टी द्वारा रची गई एक सोची-समझी साजिश थी।

भाजपा के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, कांग्रेस ने जो किया है वह सिर्फ राजनीति नहीं है। इसे महज नकारात्मक राजनीति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता, यह देशद्रोह के बराबर है।

मुंबई में राहुल के खिलाफ प्रदर्शन

उधर, भाजपा और शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुंबई व ठाणे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। वहीं, नई दिल्ली में भाजपा के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अकबर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए, भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और लोकसभा सांसद मनोज तिवारी ने भारतीय युवा कांग्रेस के प्रदर्शन को देशद्रोह का कृत्य करार दिया। मुंबई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुलुंड टोल प्लाजा पर राहुल गांधी की कार की ओर काले झंडे दिखाए, जब वह ठाणे के भिवंडी जा रहे थे। मध्य प्रदेश के इंदौर में कांग्रेस के खिलाफ भाजपा के युवा मोर्चे के एक प्रदर्शन के दौरान दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर पथराव किया, जिससे करीब 10 लोग घायल हो गए।

अशोक नगर. राष्ट्रीय गौ सेवा परिषद अशोक नगर द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के तहत ग्राम पंचायत कदवाया में विशेष बैठक आयोजित की गई। इस दौरान गांव के कई जागरूक नागरिकों ने गौ सेवा के लिए परिषद की सदस्यता ग्रहण की और गौ संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम में परिषद पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य गौ माता की सेवा, संरक्षण, चिकित्सा व्यवस्था एवं जनजागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे गौवंश की सुरक्षा, चारे-पानी की व्यवस्था और बेसहारा गौवंश के संरक्षण में सहयोग करें। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने गौ सेवा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और सामाजिक सहयोग से इस अभियान को आगे बढ़ाने की बात कही। परिषद ने बताया कि सदस्यता अभियान जिले के विभिन्न गांवों में निरंतर जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य से जुड़ सकें। कार्यक्रम के अंत में नव सदस्य बने ग्रामीणों का स्वागत किया गया और सभी ने मिलकर गौ सेवा के प्रति समर्पित रहने का संकल्प दोहराया परिषद सदस्य जिला अध्यक्ष गोलू यादव, राहुल शर्मा, अभिषेक मोहरी, सुमित ओझा, आकाश पटेल, दीपक चंदौरिया, युगेश रजक आदि सदस्य रहे.

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 58 आवारा 'श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा

भोपाल । नगर निगम द्वारा आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी व एंटीरैबीज टीकाकरण की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। कार्यवाही के इसी क्रम में निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए 58 आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा। निगम अमले ने नसबंदी उपरांत 71 श्वानों को वापस छोड़ा। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने रविवार को विभिन्न जोन क्षेत्रों में आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्यवाही करते हुए 18 श्वानों को कजलीखेड़ा स्थित एबीसी सेंटर भेजा जबकि 19 श्वानों को आदमपुर तथा 21 श्वानों को अरवलिया एबीसी सेंटर भेजने की कार्यवाही की। इस प्रकार निगम के डॉग स्क्वाड ने कुल 58 श्वानों को नसबंदी केन्द्रों में भेजा तथा नसबंदी उपरांत 71 श्वानों को वापस छोड़ा गया। निगम के डाग स्क्वाड द्वारा आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

उधारी की रकम को लेकर बनाये दबाव के कारण युवक ने की थी खुदकशी

भोपाल। बिलखिरिया पुलिस ने युवक के फांसी लगाकर आत्महत्या किये जाने की घटना में जॉच के बाद एक व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट में युवक ने एक व्यक्ति के नाम लिख कर उसे मौत का जिम्मेदार ठहराया था। बताया गया है की युवक ने आरोपी से पैसे उधार लिए थे, लेकिन किसी कारणवश लौटा नहीं पा रहा था। इस पर आरोपी उसे प्रताड़ित करने लगा। तय हुआ था कि दो जनवरी को पैसा लौटा देगा लेकिन एक जनवरी को उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट की जांच और मृतक के परिजनों के बयान के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक महाकाल सिटी के सामने कोकता नंबर एक निवासी राजेश त्रिपाठी (26) प्राइवेट काम करता था। एक जनवरी 2026 को राजेश ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट मिला।

मध्यप्रदेश उभर रहा है दिव्यांगजन के खेलों के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश दिव्यांगजन के खेलों के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। प्रदेश के कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। समाज सुधारक और चिंतक स्व. कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म शताब्दी वर्ष पर 100 घंटे लगातार क्रिकेट खेलने का यह प्रयास केवल रिकॉर्ड बनाने की कोशिश नहीं, बल्कि यह संदेश है कि जब संकल्प समाज के उत्थान के लिए होता है तो सीमाएं स्वयं समाप्त हो जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकलांग शब्द के स्थान पर दिव्यांग शब्द को स्थापित किया है। उनका यह कदम भारतीय संस्कृति के मनोभाव के अनुरूप है। इस पहल ने विकलांग शब्द से जन सामान्य में उपजती हीनता की भावना का अंत किया है, साथ ही चुनौतिपूर्ण परि ?स्थितियों में संघर्ष की अदम्य इच्छा शक्ति को प्रोत्साहित किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की सकारात्मक सोच के अनुरूप देश को सभी क्षेत्रों में आगे लाने के प्रयास को साकार रूप देने के उद्देश्य से ही राष्ट्रीय दिव्यांगजन क्रिकेट खेल महोत्सव 2026 नॉट आउटञ्च100 का आयोजन किया गया है। मुख्मयंत्री डॉ. यादव राष्ट्रीय दिव्यांगजन क्रिकेट खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस लाइन स्टेडियम में दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांग खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह भी भेंट किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रिकेट पिच पर पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा एक बॉल खेलकर मैच का शुभारंभ किया। पहला मैच मध्यप्रदेश और राजस्थान की ऑर्थो केटेगरी टीम के बीच रहा। इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव को खेल महोत्सव का बैच लगाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टूर्नामेंट की कैप भी धारण की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय दिव्यांग खेल महोत्सव के अंतर्गत दिव्यांगजन का लगातार 100 घंटे क्रिकेट खेलना अद्भुत, आनंददायी और हम सबके लिए गर्व का अवसर है। उन्होंने इस आयोजन के लिए कुशाभाऊ ठाकरे न्यास और इंटर नेशनल पब्लिक पॉलिसी रिसर्च सेंटर को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह सौभाग्य का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की मन की बात के श्रवण के साथ यह खेल महोत्सव आयोजित हो रहा है। यह सभी क्षेत्रों में सर्वागींण रूप से समान भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रतिबद्धता का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांग बेटी संगीता विश्नोई की इच्छाशक्ति की सराहना करते हुए कहा कि बेटियां केवल खिलाड़ी नहीं, आत्मविश्वास और साहस की जीवंत मिसाल हैं।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि विश्व में पहली बार एक ऐसा आयोजन हो रहा है जहां खेल की गूंज लगातार 100 घंटे तक रहेगी। दिन हो या रात दिव्यांग खिलाड़ी अपने प्रयासों से एक नया इतिहास रचेंगे। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन खेल महोत्सव में 25 टीमों के 350 खिलाड़ी भाग लेंगे। यह महोत्सव 26 फरवरी तक जारी रहेगा। स्थानीय विधायक भगवानदास सबनानी ने सभी का आभार माना। कार्यक्रम में अजय जामवाल, राहुल कोठारी, रविन्द्र यति और दिव्यांग खिलाड़ी उपस्थित रहे।

ट्रेडिंग और आतंकी गतिविधि में शामिल होने का झांसा देकर लाखो की ठगी

भोपाल।

राजधानी में जहॉ एक व्यक्ति को शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करने का झांसा देकर तो वीं दूसरे को आतंकवादी गतिविधि में शामिल होने का डर दिखा करीब 22 लाख की ठगी किये जाने की घटनायें सामने आई है। जानकारी के अनुसार बैरागढ थाना इलाके में ई एम ई सेन्टर में रहने वाले अस्मत अली (41) ने अपनी शिकायत में बताया की वह शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं। बीती 3 नवंबर 2025 को उन्होंने शेयर ट्रेडिंग के लिए कोई दूसरा ऐप डाउनलोड किया जिससे उन्होंने मिले नंबर के जरिये ज्यादा लाभ दिखाई देने पर 14 लाख 85 हजार 82 रुपये के शेयर खरीद लिए। जब उन्होंने यह शेयर बेचने के लिए एप में डाला तो वह शेयर नहीं बिके। उन्होंने संबंधित मोबाइल नंबर से संपर्क किया तो वहां से भी कोई जवाब नही मिला। फरियादी द्वारा बताया गया कि यह रकम उनके द्वारा तीन नवंबर 2025 से लगातार 9 दिसंबर 2025 तक करीब 20 खातों में ट्रांसफर की गई। जब उनके शेयर नहीं बिके तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ ठगी की गई है इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस में की थी। मामला दर्ज कर पुलिस आगे की जांच कर रही है। थाना मिसरोद इलाके में गोल्डन हाईट निवासी किरण नागी (65) ने पुलिस को बताया गया कि 4 दिसंबर 2025 को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आया था। रिसीव करने पर दूसरी ओर से बात करने वाले व्यक्ति ने उनसे कहा कि वह पुणे से एनआईए अधिकारी बोल रहा है। इसके बाद उनकी आईडी का आतंकवादी गतिविधि में उपयोग होने की बात कहते हुए कहा कि आपको पुणे आना पड़ेगा। इसके बाद ठगो ने उन्हें लगातार डर धमकाकर कहा की यदि आप कार्रवाई से बचना चाहती हैं, तो हमारे 20 लाख रुपए देना होगें। उन्होंने तत्काल फोन काट दिया इसके बाद उन्हें वीडियो कॉल कर वर्दी पहने हुए जालसाजो ने डराते-धमकाते हुए कहा कि आपका पूरा परिवार इस आतंकवादी गतिविधि के मामले में फंस जाएगा।

सोशल मीडिया पर बच्चा चोर की अफवाह वाला फर्जी वीडियो वायरल करना पड़ा मंहगा

भोपाल

सोशल मीडिया पर बच्चा चोर की अफवाह वाला फर्जी वीडियो वायरल करने वाले आरोपी के खिलाफ अयोध्या नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। वीडियो जिस इंस्टाग्राम आईडी से वायरल किया गया था, उसके यूजर की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो साल 2019 का और उत्तर प्रदेश का है। इसमें एक किशोर को भोपाल में रहने वाला बच्चा चोर बताकर उससे मारपीट की गई और दबाव बनाया गया था, कि वह खुद को बच्चा चोर और भोपाल के हमीदिया अस्पताल में बॉडी पार्टस बेचने वाला कहे। उस मामले में यूपी पुलिस ने एटा के चार लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की थी।

पुलिस के मुताबिक बीती 19 फरवरी को सोशल मीडिया पर इंस्टाग्राम आईडी पृथ्वी-बनना 744 के यूजर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें एक बालक को बांधकर बच्चा चोरी करने वाला बताया गया। तस्दीक करने पर वीडियो साल 2019 निकला और घटना झूठी होना पाया गया। क्योंकि इस तरह के वीडियो से समाज में डर और वैमनस्यता का वातावरण निर्मित होता है, और इसीलिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर भ्रामक संदेह और जानकारी प्रसारित करना प्रतिबंधित किए जाने संबंधी बीएनएस की धारा 163 के तहत प्रतिबंधित किए गए हैं। नतीजतन उक्त आदेश का उल्लंघन होने पर इंस्टाग्राम आईडी पृथ्वी-बनना 744 का उपयोग करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अयोध्या नगर थाने में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस जॉच में सामने आया की सोशल मीडिया पर बच्चा चोरी संबंधी वायरल वीडियो अगस्त 2019 का है, जो एटा जिला जालौन उत्तर प्रदेश में टोल नाके के पास एक बालक सोनू श्रीवास का है। पुलिस जॉच में पता चला था की सोनू श्रीवास अपनी बहन के घर जाने के लिए ढाबे के पास खड़ा होकर बस का इंतजार कर रहा था। तभी ढाबे के कुछ कर्मचारियों और तीन-चार लड़कों ने शराब के नशे में उसे बच्चा चोर बोलकर पकड़ा और बुरी तरह मारपीट की। मारपीट के बाद बालक का हाथ बांधकर एक खंभे से बांध दिया और डराया कि अगर मारपीट से बचना है, और घर जाना है, तो बच्चा चोर होना स्वीकार कर और एक बनी हुई कहानी बोलने के लिए उससे कहा गया। बच्चे ने डर के मारे खुद को बच्चा चोर होना और भोपाल अयोध्या नगर का रहने वाला बताया। वह बच्चे चुराकर उनके बॉडी पार्ट्स किडनी आदि भोपाल के हमीदिया अस्पताल में बेचने की झूठी कहानी बोलता गया, जबकि वह बालक कभी भोपाल नही आया है, और वहीं आस-पास के टाडा गांव का रहने वाला है। उसका परिवार खेती-किसानी करता है। तस्दीक करने पर बच्चा चोर वाली घटना फर्जी निकली। स्थानीय पुलिस ने मारपीट करने और वीडियो बनाने वाले चारों आरोपियों अंकित वाल्मीकि, नीलू सिंह ठाकुर, अरविंद पाल और आशीष सभी निवासी एटा के खिलाफ थाना एट जिला जालौन उत्तर प्रदेश में प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की थी।